Special increment under the family planning programme

2815. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether .. permanent/temporary State Government employees getting special pay-increment under the small family norms prescribed under the family welfare programme are not entitled to get this facility on their appointment or deputation to Central Government Service;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) whether the same rules are applicable to the Central Government employees in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) to (c) When a state government employee is appointed on a post under the Central Government on deputation basis and opts for his own grade pay plus deputation allowance he continues to draw Personal Pay on account of small family norm as drawn by him under the State Government. In case he opts for the scale of pay of the post under the Central Government, he continues to draw personal pay on account of small family norms as long as pay in the scale of deputation post is fixed with reference to his basic pay in his cadre post without taking into account Personal Pay. In case of transfer of Central Government employees on deputation to State Government, the incentive increment will be regularised as per the rules/orders of the respective State Governments.

प्रधान मंत्री का रूस का दौरा

2816. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) "महोत्सव" के उद्घाटन को छोड़ कर प्रधान मंत्री के रूस के दौरे का क्या प्रयोजन था ;

(ख) महोत्सव के द्वारा भारत की संस्कृति, गायन और नृत्य कला तथा विकास का प्रकटीकरण किस प्रकार किया जा रहा है ;

(ग) वहां मूर्तियों का जो प्रदर्शन किया गया है और जो हमारी कला और संस्कृति का एक अंग है, उनका ब्यौरा, परिचय पाठ आवश्यकता का निर्धारण करने वाले व्यक्तियों के नाम क्या हैं तथा उनका भारतीय संस्कृति से क्या संबंध है ; और

(घ) प्रधान मंत्री के उद्घटन भाषण अथवा श्री गोर्बाचेव के साथ वार्ता का विषय और भाषा क्या थी और क्या यह सच है कि प्रारम्भ में जब प्रधान मंत्री महोदय हिन्दी में बोले, श्री गोर्बाजेव भी हिन्दी में बोल और इसके बाद प्रधान मंत्री अन्त तक अंग्रेजी में बोले ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा और संस्कृति विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) मुख्य प्रयोजन श्रीमती इन्दिरा गांधी की प्रतिमा का अनावरण क्रेमलिन में समारोह कार्यक्रम तथा सोवियत संघ में भारत महोत्सव के उद्घटन में भाग लेना था। दौरे के दौरान प्रधान मंत्री जी ने भारत और सोवियत संघ के बीच विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में सहयोग के समेकित दीर्घकालीन कार्यक्रम पर भी हस्ताक्षर किए। उन्होंने आपसी हित के अन्तर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय मामलों पर सोवियत नेताओं के साथ विचार-विमर्श भी किया।

(ख) भारत महोत्सव में भारत की शास्त्रीय और समकालीन एवं लोक कला और संस्कृति की एक झलक प्रस्तुत की जाती है । इसके अलावा कुछ ऐसे कार्यक्रम भी हैं, जिनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हमारी उन्नति और विकास को दर्शाया जाता है ।

(ग) प्राचीन कला प्रदर्शनियों के लिए प्रतिमाओं सहित कला-कृतियों का मूल्यांकन और चयन विशेषज्ञ समितियों द्वारा किया गया था, जिनके सदस्यों के ब्यौरे विवरण में दिये गये हैं । सम्बन्धित सूची-पत्र राष्ट्रीय संग्राहालय द्वारा तैयार किए गए थे ।

(घ) प्रधान मंत्री जी क्रेमलिन समारोह कार्यक्रम में हिन्दी में और लेनिन स्टेडियम उद्घाटन में अंग्रेजी में बोले, जिनका अलग-अलग अनुवाद वहीं मौके पर और साथ-साथ रूसी भाषा में किया गया । श्री गोबीचंद हिन्दी में नहीं बोले ।

विवरण

I. सोवियत संघ में भारत महोत्सव प्रदर्शनियों के लिए दिसम्बर, 1986 में राष्ट्रीय संग्रहालय में गठित की गई विशेषज्ञ और मूल्यांकन समिति

(i) महानिदेशक,

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
नई दिल्ली ।

(ii) निदेशक,

राष्ट्रीय संग्रहालय,
नई दिल्ली ।

(iii) डा० एस० सी० काला,

(इलाहाबाद संग्रहालय के भूतपूर्व निदेशक)

(iv) श्री के० वी० सुन्दरराजन,

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के भूतपूर्व अपर महानिदेशक)

(v) डा० पी० बैनर्जी,

(राष्ट्रीय संग्रालय के भतपूर्व सहायक निदेशक)

(vi) डा० आनन्द कृष्ण,

कला इतिहास के भूतपूर्व प्रोफेसर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय ।

(vii) डा० ए० के० दास

निदेशक,
सिटी पैलेस कला संग्रहालय,
जयपुर ।

(viii) डा० आर० सी० शर्मा,

निदेशक,
भारतीय संग्रहालय कलकत्ता ।

कार्य :

समिति का गठन, कला संग्रह को विदेशों में प्रदर्शनियों में भेजने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसरण में किया गया था ।

समिति प्रत्येक कला वस्तु की जांच करती है और बीमा मूल्य का वास्तविक मूल्यांकन भी करती है ।

समिति द्वारा की गई सिफारिशों का सम्मान किया जाएगा, लेकिन अंतिम निर्णय सरकार द्वारा किया जाएगा ।

II. सोवियत संघ में भारत महोत्सव के लिए विदेश भेजी जाने वाली कला वस्तुओं की प्रत्यक्ष जांच के लिए राष्ट्रीय संग्रहालय में जनवरी, 1987 में गठित की गई संरक्षण समिति

(i) संरक्षक,

राष्ट्रीय संग्रहालय अथवा उसके द्वारा मनोनीत व्यक्ति

(ii) निदेशक (विज्ञान)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अथवा उसके द्वारा मनोनीत व्यक्ति

(iii) निदेशक,

सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, लखनऊ अथवा उसके द्वारा मनोनीत व्यक्ति

कार्य :

समिति, संरक्षण की दृष्टि से प्रत्येक कला वस्तु की जांच करती है और इसकी रिपोर्ट विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाती है ।

मध्य प्रदेश में रेल विस्तार परियोजनाएं

1817. **श्री राधाकिशन मालवीय :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश सरकार से रेल विस्तार की कितनी परियोजनाएं विचारार्थ प्राप्त हुईं ; और

(ख) इस अवधि के दौरान सरकार ने इनमें से प्रत्येक प्रस्ताव पर क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिन्धिया) : (क) और (ख) मध्य प्रदेश सरकार ने बहुत सी नयी रेल लाइनों के निर्माण का सुझाव दिया है । नयी लाइनें और उन पर की गयी कार्रवाई नीचे दी गयी है :—

1. सतना–रीवां

इसका निर्माण शुरू कर दिया गया है।

2. ढल्ली राजहरा–जगदलपुर

ढल्ली राजहरा–रावघाट के प्रथम चरण का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और इसे वित्त पोषक करने के प्रश्न पर संबंधित एजेंसियों और योजना आयोग के साथ कार्रवाई शुरू कर दी गयी है । रावघाट–जगदलपुर का सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है।

3. दाहोद–इन्दौर

इस लाइन का पुनर्मूल्यांकन सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है ।

4. ललितपुर–सतना–सिंगरौली

इस लाइन का सर्वेक्षण किया गया था और इस परियोजना को वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद पाया गया था ।

5. मलनपुर–ग्वालियर

मलनपुर के समीप गुना–इटावा नयी रेल लाइन को शुरू करने के लिए पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है ।

6. खण्डवा–दाहोद

7. पांडुरना–खण्डवा

8. रीवां–मिर्जापुर

मद 6 से 8 तक का काम शुरु किये जाने के लिए विचार नहीं किया जा सका।

Vaccines testing laboratories in the country

2818. SHRI RAFIQUE ALAM: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) what are the names of Government and approved testing laboratories for vaccines in India;

(b) whether it is a fact that none of the laboratories in the country have facilities to test all recent vaccines being imported in the country; and

(c) if so, what are the names of those vaccines for which there is no testing facility available and how the standard of these imported vaccines are ensured to protect the users against any ill-effects thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) The Central Research Institute, Kasauli is the only statutory laboratory for the testing of the human vaccines.